Library of The Theological Seminary

PRINCETON · NEW JERSEY

PRESENTED BY

A. G. Cameron, Ph.D.

5.18.11

SCC
8269

Digitized by the Internet Archive
in 2008 with funding from
Microsoft Corporation

https://archive.org/details/wordofgodconcern07alla

2d *Edition.*] [5,000 *Copies.*

THE WORD OF GOD

CONCERNING IDOLATRY.

मूर्त्ति पूजा के विषय में श्री परमेश्वर का मुख बचन।

आशिया १ पर्व्व २-८ पद

हे अकाश सुनो और हे पृथिवी कान धर क्योंकि परमेश्वर ने कहा है कि मैं ने लड़कों को पालापोसा पर वे मुझ से फिरगये हैं। बैल अपने स्वामी को पहिचानता है और गदहा अपने प्रभु की झोंपड़ी को परंतु इसराईल नहीं जानते मेरे लोग नहीं सोचते। हाय पापमय देशी पाप से लदी ऊई मंडली कुकर्म्मियों के बंश बिगाड़ू लड़के उन्होंने परमेश्वर को त्यागा है और इसराईल के धर्म्ममय को खिजाया है वे मार्ग से उलटे फिरे। क्यों अधिक शाशन कियेजाओगे तुम अधिक फिरते जाओगे सारा सिर रोगी है और सारा मन दुर्ब्बल। तलवा से लेके सिर ताईं उसमें कहीं आरोग्यता नहीं परंतु घाव और चोट और सड़ेऊए घाव हैं वे न दबायेगये न बांधेगये और किसी ने तेल मल के उन्हें कोमल न किया। तम्हारा देश उजाड़ है तम्हारी बस्तियां जलगईं परदेशी तुम्हारी भूमि को तुम्हारे आगे निंगलते हैं वुह उजाड़ है जैसा कि उसे परदेशीयों ने नाश करदिया।

याचा २० पर्व्व १-६ पद।

फिर ईश्वर ने ये सब बातें कहीं। कि तेरा परमेश्वर ईश्वर जो तुझे मिसर की भूमी से और बंधुआई के घर से निकाल लाया मैं हों। मेरे सन्मुख तेरे लिये दूसरा ईश्वर न होगा। अपने लिये खोद के किसी की मूर्ति और किसी वस्तु की प्रतिमा जो ऊपर स्वर्ग में अथवा नीचे पृथिवी में अथवा जल में जो पृथिवी के निचे हैं मत बनाईयो। तु उनको प्रणाम मत कीजियो न उनकी सेवा कीजियो इस लिये कि मैं परमेश्वर तेरा ईश्वर ज्वलित ईश्वर हों पितरों के अपराध का दंड उनके पुत्रों को जो मेरा बैर रखते हैं उनकी तीसरी और चौथी पीढ़ी लों देवैया हों। और उनमें से सहस्रों पर जो मुझे प्रेम करते हैं और मेरी आज्ञाओं को पालन करते हैं दया करता हों।

बिवाद की पुस्तक ४ पर्व्व १४-१९ पद।

और परमेश्वर ने उस समय मुझे आज्ञा किई कि तुम्हें बिधि और बिचार सिखलाओं जिसतें तुम उस देश में जाके जिसके तुम अधिकारी होओगे उनपर चलो। सो तुम आप से बहुत चौकस रहो क्योंकि जिस दिन परमेश्वर ने होरेब में आग के मध्य में से तुम्हारे साथ बातें कहीं तुमने किसी प्रकार का रूप न देखा। ऐसा न हो कि तुम बिगड़ जाओ और अपने लिये खोदी हुई मूर्त्ति किसी पुरुष अथवा स्त्री की प्रतिमा बनाओ। किसी पशु की प्रतिमा जो पृथिवी पर है अथवा किसी पंछी का रूप जो आकाश में उड़ते हैं। अथवा किसी जंतु का रूप जो भूमि पर रेंगते हैं अथवा

किसी मछली का रूप जो पृथिवी के नीचे पानियों में हैं। ऐसा न हो कि तुम स्वर्ग की ओर आंखें उठाओ और सूर्य्य और चन्द्रमा और तारों को और आकाश की समस्त सेनाओं को देखो तब उन्हें पूजने को बगदाये जाओ और उनकी सेवा करो जिन्हें परमेश्वर ने स्वर्ग के तले समस्त जाति गणों के लिये बिभाग किया है।

बिवाद की पुस्तक १२ पर्व्व २८-३२ पद ।

इन सब बातों को सोचो जो मैं तुम्हें आज्ञा करता हों सुनो जिसमें तेरा और तेरे पीछे तेरे बंश का सनातन लों भला होवे जब कि तुम वुह जो भला और ठीक है परमेश्वर अपने ईश्वर की दृष्टि में करो। जब परमेश्वर तेरा ईश्वर उन जाति गणों को तेरे आगे से काटडाले जहां तू जाता है कि अधिकारी बने और तू उनका अधिकारी होवे और उनके देश में वास करे। अपने से चौकस रहियो न हो कि जब वे तेरे आगे से बिनाश होवें तू उनके पीछे बझ जाय और न हो कि तू उनकी देवतों को खोज करके कहे कि इन जाति गणों ने अपनी देवतों की सेवा किस रीति से किई थी मैं भी वैसी करोंगा। तू परमेश्वर अपने ईश्वर से ऐसा मत कीजियो क्योंकि उन्होंने हर एक कार्य्य जिस्से ईश्वरको घिन है जिस्से वुह बैर रखता है अपनी देवतों के लिये किया यहां लों कि अपने बेटों और बेटियों को अपनी देवतों के लिये आग में जलादिया। तुम हर एक बात को जो मैं तुम्हें कहता हों सोचके मानियो उसमें नबढ़ाईयो न उसमें घटाईयो।

१३५ गीत १५-१८ पद ।

अन्यदेशियों की मूर्त्ति सोना और रूपा और मनुष्यों की क्रिया हैं। वे मुंह रखतीं हैं पर बोलतीं नहीं वे आंखें रखती हैं पर देखती नहीं। वे कान रखती हैं पर सुनतीं नहीं वे तो मुंह से सांस भी नहीं लेतीं। जो उनके बनवैये हैं सो उन्हीं के समान हैं और हर एक जिसका भरोसा उन पर है सो ऐसाही है।

आशिया ४४ पर्ब्ब ८-२२ पद ।

तुम मत डरो और भय मतखाओ क्या मैं ने आरंभ से उसे तुझ को न कहा हां मैं ने उसे आगे से तुझे दिखाया और तुम मेरे साक्षी हो क्या मुझे छोड़ कोई ईश्वर है हां कोई दूसरा ठीक रक्षक नहीं मैं दूसरा नहीं जानता।
वे जो खोदीऊई मूर्त्तें बनाते हैं सो सब के सब दृथा हैं और उनके चित्रकार से कुछ लाभ न होगा हां उनके कार्य उन पर साक्षी देतेहैं वे न देखते हैं न समुझते हैं कि हरएक लज्जित हो। कि उसने एक देव बनाया और खोदी ऊई मूर्त्ति ढाली जिस्से लाभ नहीं। देख उसके संगी लज्जित होंगे और उनके कार्यकारी मनुष्य हैं वे सब के सब एकट्ठे होंगे और आप को आगे करेंगे वे डरजायेंगे और एकट्ठे लज्जित होवेंगे। लुहार लोहे का टुकड़ा काटता है और कोईलों में उसे कमाता है और हथोड़ियों से उसका डौल करताहै और अपनी भुजा के बल से उसे गढ़ताहै हां वुह भूखा है और उसका बल घटता है वुह पानी नहीं पीता और मूर्छित है। बढ़ई उस पर सूत खींचता है और लाल मट्टी से लकीर करके

डौल खींचताहै और रन्दों से चिकना करताहै और परकार से उस पर रूप खींचताहै और मनुष्य के सुडौल रूप के तुल्य बनाताहै जिसतें वुह घर में रहे। वुह अपने कार्य के लिये आरज वृक्ष को काटताहै और देवदारु और आलोन वृक्ष को लेताहै और बनके वृक्षों में से अच्छी ढेर लगाताहै वुह आस वृक्ष लगाताहै और बरखा उसका पालन करताहै। जिसतें वुह मनुष्य के ईंधन के काम के लिये होवे क्योंकि वुह उस्से लेताहै और आप को तापताहै हां वुह उस्से भट्ठी को तप्त करताहै और रोटी पकाताहै वुह उस्से देव भी बनाताहै और उसे दंडवत करताहै वुह उस्से खोदीऊई मूर्त्ति बनाताहै और उसके आगे झुकताहै। उसका कुछ लेके आग में जलाताहै और उसमें कुछ लेके मांस पकाताहै और खाताहै वुह मांस भूनताहै और उसकी भूख मिटजाति है वुह आप को तापता भी है और कहताहै कि वाह मैं तात ऊआ मैं आग से सुखी ऊआ। और उसकी बचीऊई से एक देव अर्थात अपनी खोदीऊई मूर्त्ति बनाताहै और उसके आगे दंडवत करताहै और उसकी पूजा करताहै और उसकी प्रार्थना करके कहताहै कि मुझे बचाले क्योंकि तू मेरा देवहै। वे नहीं जानते और नहीं समझते क्योंकि उनकी आंखें मूंदीगईं कि वे देख नहीं सक्ते और उनके मन कि वे समझ नहीं सक्ते। और कोई अपने मन में नहीं सोचता और न किसीमें ज्ञान और समझहै कि कहे कि मैं ने तो उसका कुछ आग में जलाया और मैं ने उसके कोईलों पर रोटी भी पकाई और मैं ने मांस भूना और

खाया और क्या मैं बचेखुए से घिनित बनाऊं क्या मैं पेड़ की खूथी के आगे दंडवत करूं। वुह राख खाताहै छलित मन ने उसको ऐसा बहकादिया कि वुह अपना प्राण बचा नहीं सक्ता न कहिसक्ता कि क्या मेरे दहिने हाथ में झूठ नहीं। हेयाकूब और इसराईल इन बातों को स्मरण कर क्योंकि तू मेरा दास है मैं ने तुझे बनायाहै तू मेरा सेवक है हे इसराईल मुझ से तू बिसराया न जायगा।

इरमिया: १० पर्व्व १-८ पद ।

जो बचन परमेश्वर ने कहा है उसे सुनो हे इसराईल के घराने परमेश्वर ने तुम्हीं से यों कहा है । अन्यदेशियों की चाल पर मत चलो और स्वर्ग के चिन्हों से बिस्मित मत होओ यद्यपि अन्यदेशी उनसे बिस्मित होवें। क्योंकि लोगों के ठहराये हुए कार्य्य वृथाही हैं इस लिये वे बन में से पेड़ काटते हैं यह उसी के कार्य्यकारी का है जो चोखे हथियार से कार्य्य करता है। वे सोने चांदी से बिभूषित करते हैं और कील और हथौड़ी से उन्हें दृढ़ करते हैं जिसतें वे न डगमगावें। वे खजूर पेड़ की नाईं पोढ़ हैं परंतु बोल नहीं सक्ते उन्हें सर्वथा लेजाने पड़ेगा क्योंकि वे चल नहीं सक्ते उन्हें मत डरो क्योंकि वे दुःख नहीं दे सक्ते और भलाई करने में वे अशक्त हैं। हे परमेश्वर तेरे तुल्य कोई नहीं तू महान है और पराक्रम में तेरा नाम भी बड़ा है। हे जातिगणों के राजा तेरे आगे आने में तुझ से कौन न डरेगा जैसा कि जातिगणों में के सारे बुद्धिमानों में और उनके सारे राज्यों

में तेरे तुल्य कोई नहीं। परंतु जब वे आगे आते हैं तो भद्दे और मूढ़ हैं और काठ लों दया के रूपटवैये हैं।

११५ गीत।

हे परमेश्वर हमारे लिये नहीं हमारे लिये नहीं परन्तु अपनी दया के लिये और अपनी सच्चाई के लिये तेरे ही नाम की प्रतिष्ठा होवे। अन्यदेशी क्यों कहें कि उनका ईश्वर कहां है? परंतु हमारा ईश्वर तो स्वर्ग पर है जो कुछ उसने चाहा सो किया है। उनकी मूर्त्ति मनुष्यों के हाथकी बनाई हुई सोना चांदी हैं। वे मुंह रखती हैं पर बोलतीं नहीं वे आंखें रखतीं हैं पर देखतीं नहीं। वे कान रखतीं हैं पर सुनतीं नहीं उनकी नाक हैं परंतु सूंघतीं नहीं। वे हाथ रखतीं हैं पर छूती नहीं वे पाओं रखती हैं पर चलतीं नहीं वे अपने गले से बोल नहीं सक्तीं। उनके बनवैये और वे सब जो उनका भरोसा रखते हैं उन्हीं की नाईं हैं। हे इसराईल परमेश्वर पर भरोसा रख वही उनका सहायक और उनकी ढाल है। हे हारून के घराने परमेश्वर पर भरोसा रख कि वही उनका सहायक और ढाल है। तुम जो परमेश्वर से डरते हो परमेश्वर पर भरोसा रक्खो वही उनका सहायक और ढाल है। परमेश्वर ने हमें स्मरण किया है वही आशीष देगा वुह इसराईल के घराने पर आशीष देगा वुह हारून के घराने को आशीष देगा। वुह उनको जो परमेश्वर से डरते हैं छोटों बडों सहित आशीष देगा। परमेश्वर तुम को और तुम्हारे लडकों को बढ़ाता जायगा। तुम आकाश और पृथिवी के सृष्टिकर्ता परमेश्वर के आशीषित होओ। स्वर्ग

अर्थात् स्वर्गगण परमेश्वर के हैं परंतु उसने एथिवी मनुष्य के वंश को दिई है । मृतक परमेश्वर की स्तुति नहीं करते और न वे सब जो समाधि में उतरते हैं । परंतु हम इस समय से लेके सदा लों परमेश्वर की स्तुति किया करेंगे परमेश्वर का धन्यवाद करो ।

इरमिया : २ पर्व्व २६-२६ पद्द ।

जैसा पकड़े जाने में चोर लज्जित है तैसा इसराईल का घराना वे और उनके राजा और उनके राजपुत्र और उनके याजक और उनके भविष्यद्वक्ता लजाये गये हैं । जो एक टुकड़े लकड़ी से कहते हैं कि तू मेरा पिता और पत्थर को कि तू ने मुझे जना है निश्चय उन्होंने मेरी ओर पीठ फेरी पर मुंह नहीं परंतु अपने दुःख के समय में कहेंगे कि उठके हमारी रक्षा कर । परंतु तेरे देव कहां है जिन्हें तू ने अपने लिये बनाया है वे उठें यदि तेरे दुःख के समय तेरी रक्षा करसकें क्योंकि हे यहूदा तेरे नगरों की गिनती के समान तेरे देव हुए हैं । तुम लोग किस बात के लिये मुझे विवाद करोगे परमेश्वर कहता है कि तुम सब के सब मेरे विरुद्ध फिरगये हो ।

इरमिया : १० पर्व १०-१६ पद ।

परंतु परमेश्वर सत्य ईश्वर जीता ईश्वर और सनातन का राजा उसके कोप से एथिवी थर्थरावेगी और जातिगण उसके जलजलाहट को नहीं सहि सकेंगे । उन्हें इस रीति से कहो कि जिन देवोंने स्वर्ग और एथिवी को नहीं बनाया एथिवी पर से और स्वर्ग के तले से नष्ट होंगे । उसने अपनी

सामर्थ्य से पृथिवी को सिरजा है और अपनी बुद्धि से जगत को स्थिर किया और अपनी समझ से भी स्वर्गों को फैलाया है। जब वुह अपने शब्द को बढ़ाता है तब जल का कोलाहल आकाश में होता है और पृथिवी के सिवानों से मेघों को उठाता है और वुह मेंह के साथ बिजुली निकालता है और अपने भंडारों से बायु निकालता है। हर एक मनुष्य मान लेने से पशु होता है हर एक सोनार खोदने से लजा जाता है जब उन्हों ने पूजने के लिये झूठी झूठी वस्तु खड़ी किई है और ऐसी जिनमें कुछ खास नहीं। वे व्यर्थ हैं उनके कार्य्य जो बहुत चूक करते हैं अपने पलटा के समय में वे नाश होंगे।

आशिया: २ पर्व्व ८-२२ पद।

और उनकी भूमि मूर्त्तिन से भरपूर है वे अपने हाथों के कार्यों को और अपनी अंगुलियों के हस्त्य को पूजते हैं। और तुच्छ मनुष्य झुकताहै और महान दीन होताहै इस लिये तू उन पर क्षमा न करेगा। परमेश्वर के भय के मारे और उसकी महिमा के बिभव के कारण पहाड़ में पैठ और धूल में छिप। मनुष्य की ऊंची दृष्टि उतारी जायेंगी और मनुष्य का अहंकार झुकायाजायगा और उस दिन केवल परमेश्वर की महिमा होगी। क्योंकि परमेश्वर सेनाओं के ईश्वर का दिन हरएक अहंकारी और अभिमानी और हरएक उभड़े हुए पर होगा और वुह उतारा जायगा। और लबनान के सारे ऊंचे और उभड़े हुए अरज वृक्षों के और बासान के सारे बलूत वृक्षों के। और सारे ऊंचे

पहाड़ों के और सारी उभड़ी ऊई पहाड़ियों के। और हरएक ऊंचे गुम्मट के और हरएक दृढ़ गढ़ के। और तरशीश के सारे जहाजों के और सारे सुन्दर चित्रों पर होगा। और मनुष्य का अहंकार झुकाया जायगा और लोगों का अभिमान उतारा जायगा और उस दिन केवल परमेश्वर की महिमा होगी। और मूरतें सर्वथा जातीं रहेंगी। वे परमेश्वर के भय से और उसके विभव की महिमा से जब वुह भयानक रीति से पृथिवी को झरझराने को उठेगा तब वे पहाड़ों की कंदरा में और भूमि के गड़हों में पैठेंगे। उस दिन मनुष्य अपने रूपेकी मुरतों और सोने की मुरतों को जो उन्होंने अपनी पूजा के लिये बनाई हैं छछूदरों और चमगूदड़ों के आगे फेंकदेंगे। परमेश्वर के भय के और उसके बिभव की महिमा के मारे जब वुह भूमि को भयंकर रीति से झरझराने को उठेगा तब वे चटानों के दरारों के खड़विड़ में और चटानों की चोटियों में घुस जायेंगे मनुष्य का भरोसा न करो जिसका स्वास उस के नथुनों में है क्योंकि वुह किस लेखे में है।

इस्से जाना जाता है कि सब के सब जो कोई किसी मुर्त्ति को पूजा करता है ईश्वर के आगे पातकी है और परमेश्वर के स्राप के तले पड़ा है इस लिये श्री परमेश्वर का मुख बचन फेर कहता है कि वुह जन स्रापित है जो व्यवस्था के सारे बचन को पालन नहीं करता।

४९ गीत ६-१० पद।

वे जो अपने धन पर भरोसा करते हैं और अपनी संपत्ति

की बड़ताई पर फूलते हैं। उनमें से कोई किसी भाँति से अपने भाई को छुड़ा नहीं सक्ता न उसके कारण ईश्वर को प्रायश्चित दे सक्ता। क्योंकि उनके प्राणों का प्रायश्चित बड़मूल्य है और सर्वदा असाध्य है। जिसतें वुह सर्वदा जीता रहे और नाश न देखे। क्योंकि वुह बुद्धिमान को मरते देखता है और मूढ और पशुवत प्राणी भी नष्ट होते हैं और अपनी संपत्ति औरों के लिये छोड़ जाते हैं।

श्री परमेश्वर फेर कहता है कि बिना लोहू बहाये मोक्ष नहीं होता और कि असहोना है कि बैलों और बकरियों का लोहू पापों को मिटावे परंतु उसके पुत्र ईसा मसीह का लोहू हमको समस्त पापों से पवित्र करता है क्योंकि वुह पाप को नाश करने के लिये अपने को बलिदान देके एकही बार प्रगट हुआ है। और जैसा कि ठहरायागया कि मनुष्य एक बार मरे और उसके पिछे बिचार। वैसाही मसीह एक बार बहुतेरों के पापों को उठावने के लिये चढ़ायागया और उन के उद्धार के लिये जो उसके दूसरे बार आवने की बाट जोहते हैं निष्पाप प्रगट होगा और किसी दूसरे में मुक्ति नहीं क्योंकि स्वर्ग के तले कोई दूसरा नाम मनुष्यों को नहीं दिया गया है जिस्से हमलोग उद्धार पासकें सो देखो ईश्वर का मेम्ना जो जगत के पाप को लेजाता है। क्योंकि अति दयासागर परमेश्वर ने सारे जगत के पापियों को बचाने के लिये अपने पुत्र ईसा मसीह को जगत में भेजा जिसतें सब के पाप के लिये प्रायश्चित होवे और सब के सब उस पर बिश्वास खाके मुक्ति पावें इसी लिये श्री मुख

बचन में फेर लिखा है कि प्रभु ईसा मसीह हमारे पाप के लिये स्रापित हुआ जिसतें हम लोगों को परमेश्वर के आगे धर्मी ठहरावे-सो हे प्रिय परमेश्वर के स्राप से भागो उसके महा कोप से भागो और उसी की दया और उसके धर्म्म को ग्रहण करो उसके पुत्र ईसा मसीह पर बिस्वास लाके मुक्ति की आशा रक्खो प्रभु ईसा मसीह के प्रायश्चित को अपने पाप का प्रायश्चित समझो और उसकी आज्ञा से दयाल ईश्वर की प्रार्थना करो और धर्म्म के मार्ग पर चलने को ईश्वर से नित सहाय मांगो और तुम धर्मात्मा की सहाय पाओगे तब तुम आनंदता से उसकी आज्ञाओं को पालन करसकोगे और जब मृत्यु आवेगी तब तुम जय जय करके बैकुंठ को जाओगे परंतु इस बात को भूलो मत कि तुम्हारी मुक्ति-प्रभु ईसा मसीह के बिस्वास से है।

फिर परमेश्वर यों कहता है कि पश्चात्ताप करके अपनी मूर्त्तिन से फिरो और अपने सारे घिनितों से अपने अपने मुंह फेरो। उन्हें कह कि परमेश्वर ईश्वर यों कहता है कि अपने जीवन सों दुष्टों की मृत्यु से मैं प्रसन्न नहीं परंतु जिसतें दुष्ट अपनी चाल से फिरे और जीये फिरो अपने कुमार्गों से फिरो तुम लोग किस लिये मरोगे।

PRINTED AT THE PRESBYTERIAN MISSION PRESS, ALLAHABAD.

DATE DUE

GAYLORD

PRINTED IN U.S.A.